संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक-254 सोमवार,15 जुलाई 2024, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

छत्तीसगढ़ सरकार घर तोड़िए या कार्यालय तोड़िए...इंकलाब होता रहेगा इंसाफ तक...अब तो बताईए मुख्यमंत्री जी...क्या छापें?

कलम बंद...का पन्द्रहवां दिन

क्या प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के लिए पूरे प्रदेश के लोगों से ऊपर उनके भतीजे हैं?

स्वास्थ्य मंत्री ने पत्रकारों को संरक्षण देने की बात कही...वहीं दूसरी तरफ भ्रष्टाचार पर जनसंपर्क अधिकारी को आगे कर समाचार-पत्र पर दबाव बनाने का कर रहे वह काम...ये कैसा संरक्षण?
कैसे पत्रकारों को मिलेगी सुरक्षा...कैसे समाचार-पत्र रह सकेंगे निष्पक्ष...जब उन्हे सच लिखने पर मिलेगी सजा?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी?

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल महामहिम श्री विश्वभूषण हरिचंदन से हस्तक्षेप की मांग...
क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव साहब?
स्पष्ट कीजिए माननीय प्रधानमंत्री जी,स्पष्ट कीजिए माननीय मुख्यमंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन,स्पष्ट कीजिए माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन...
गृहमंत्री जी,भारत सरकार क्या छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार को लेकर खबर प्रकाशन पर होगी समाचार पत्र पर कार्यवाही ?

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान...

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग से संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...?

?

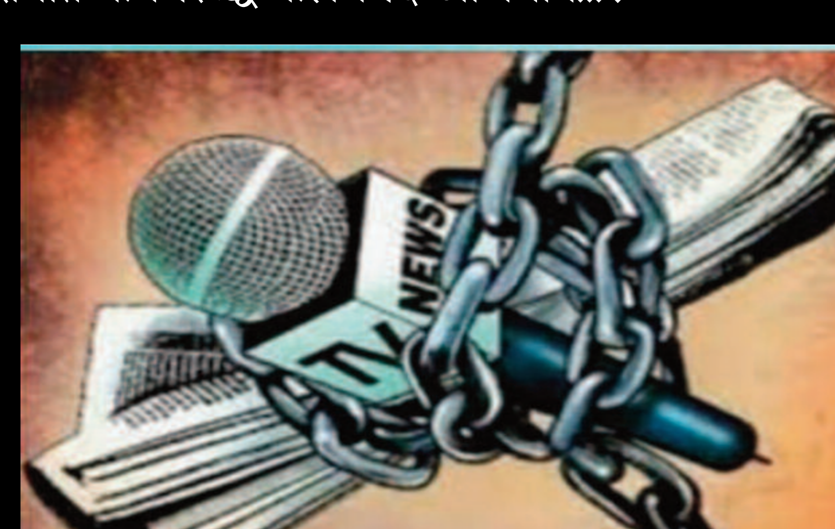

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जी...

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान...

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग से संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...?

कलम बंद...का पन्द्रहवां दिन

कलम बंद...का पन्द्रहवां दिन

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

क्या प्रकशित करें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?

अम्बिकापुर,14 जुलाई 2024(घटती-घटना)। आपको जो कमियां दिखाई जा रही हैं...वह आपको पसंद नहीं आ रही हैं...आपके विभाग में कितनी कमियां हैं...यह शायद आपको दिख नहीं रहा और अखबार आपको दिखाना चाह रहा है...वह देखना नहीं चाहते ऐसे में क्या प्रकाशित करें..यह आपकी तय करें ? अखबार जो आपको कमियां दिख रहा है उस कमियों को आपको दूर करना था पर उसे कर्मियों को दूर करने के बजाय आप अखबार से पत्रकार से संपादक से आपको दिक्कत हो रही फिर आप यह समझिए कि आपसे जनता को कितनी दिक्कतें हो रही होंगी ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

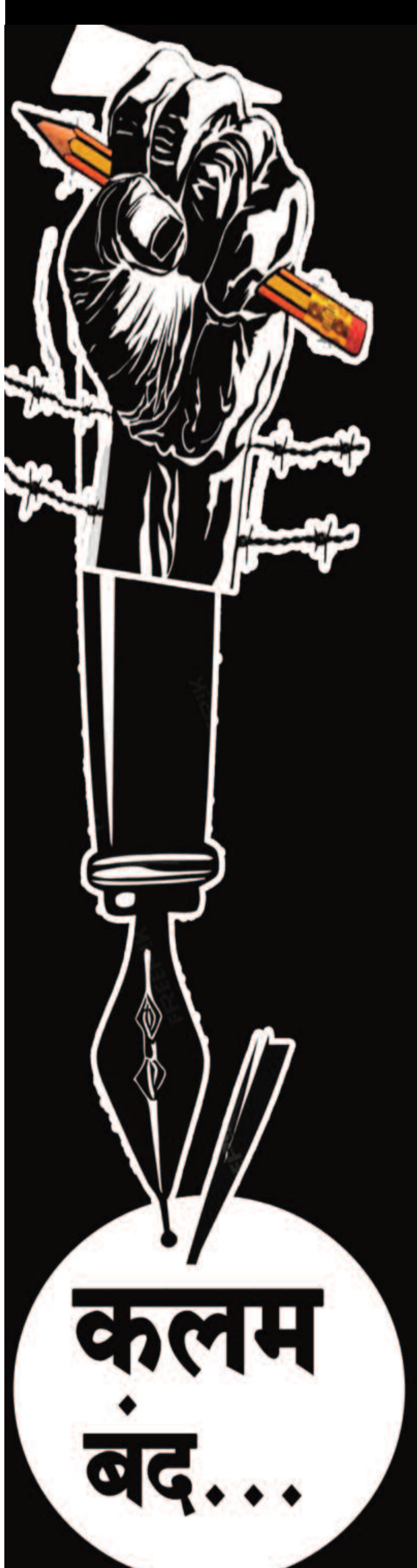

?

कलम बंद...का पन्द्रहवां दिन

कलम बंद...का पन्द्रहवां दिन

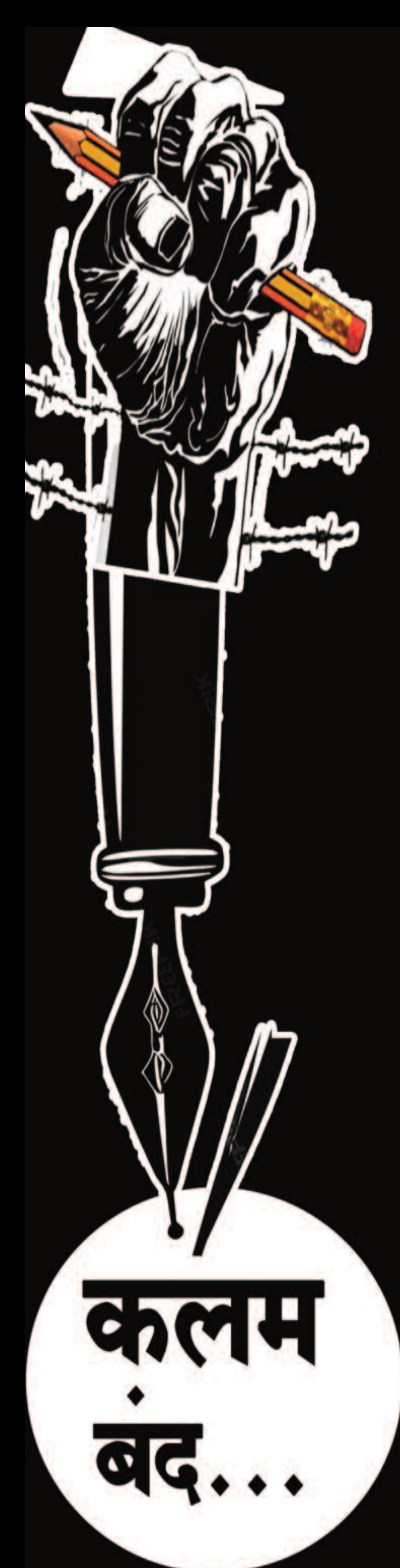

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध?

अम्बिकापुर,14 जुलाई 2024 (घटती-घटना)। माननीय मुख्यमंत्री से भी सवाल है...छत्तीसगढ़ में आपकी सरकार है...केंद्र में भी आपकी पार्टी की सरकार है...पर छत्तीसगढ़ में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कमियां दिखाने से रोकने का भी प्रयास हो रहा है...यह प्रयास कहीं ना कहीं स्वस्थ लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास है...जहां पर भाजपा सरकार से लोगों को बेहतर करने की उम्मीद होती है तो वहीं पर छत्तीसगढ़ में नवनिर्वाचित मंत्री,विधायक बे-लगाम हो चुके हैं...उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है उसे जिम्मेदारी को निभाने में असमर्थ दिख रहे हैं...उनकी कमियों को बताना उन्हें रास नहीं आ रहा इसलिए वह पत्रकार,संपादक का कलम बंद करने का प्रयास कर रहे हैं अब इस पर आप ही संज्ञान ले...और बताएं की संपादक व पत्रकार कौन सी खबर प्रकाशित करें?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

भारत में सच्चे पत्रकार को राजनीतिक पार्टियों से खतरा क्यों रहता है ?

अम्बिकापुर,14 जुलाई 2024(घटती-घटना)। भारत अपने पत्रकारों को निडर होकर काम करने का स्वतंत्र तरीका प्रदान करने में बहुत पीछे है...इन दिनों...कुछ को छोड़कर...हर दूसरा पत्रकार वही खबर दे रहा है जो सरकार की प्रशंसा करती है...नए चैनल लोगों को सरकार द्वारा की गई गलती से विचलित करने के लिए विभिन्न विषयों पर अनावश्यक बहस दिखाएंगे...इसके कारण,अधिक महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जो किसी का ध्यान नहीं जाता हैं...दूसरा कारण यह है कि पत्रकार अपने सिद्धांतों और मूल्यों को खो रहे हैं क्योंकि आज स्थिति ऐसी है कि स्थापना के खिलाफ विषयों पर बोलने या लिखने वाले पत्रकारों को धमकी देना,गाली देना और मारना कई अन्य देशों की तरह भारत में भी एक वास्तविकता बन गई है...देश और दुनिया को डरा दिया है...वहीं,पत्रकारों पर लगातार हो रहे हमलों की घटनाओं ने एक बार फिर उन्हें सुर्खियों में ला दिया है...जो पत्रकार देश और उसके आम नागरिकों के लिए लिखे वे मरे या प्रताड़ित हुए सरकारी तंत्रों के द्वारा...!

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

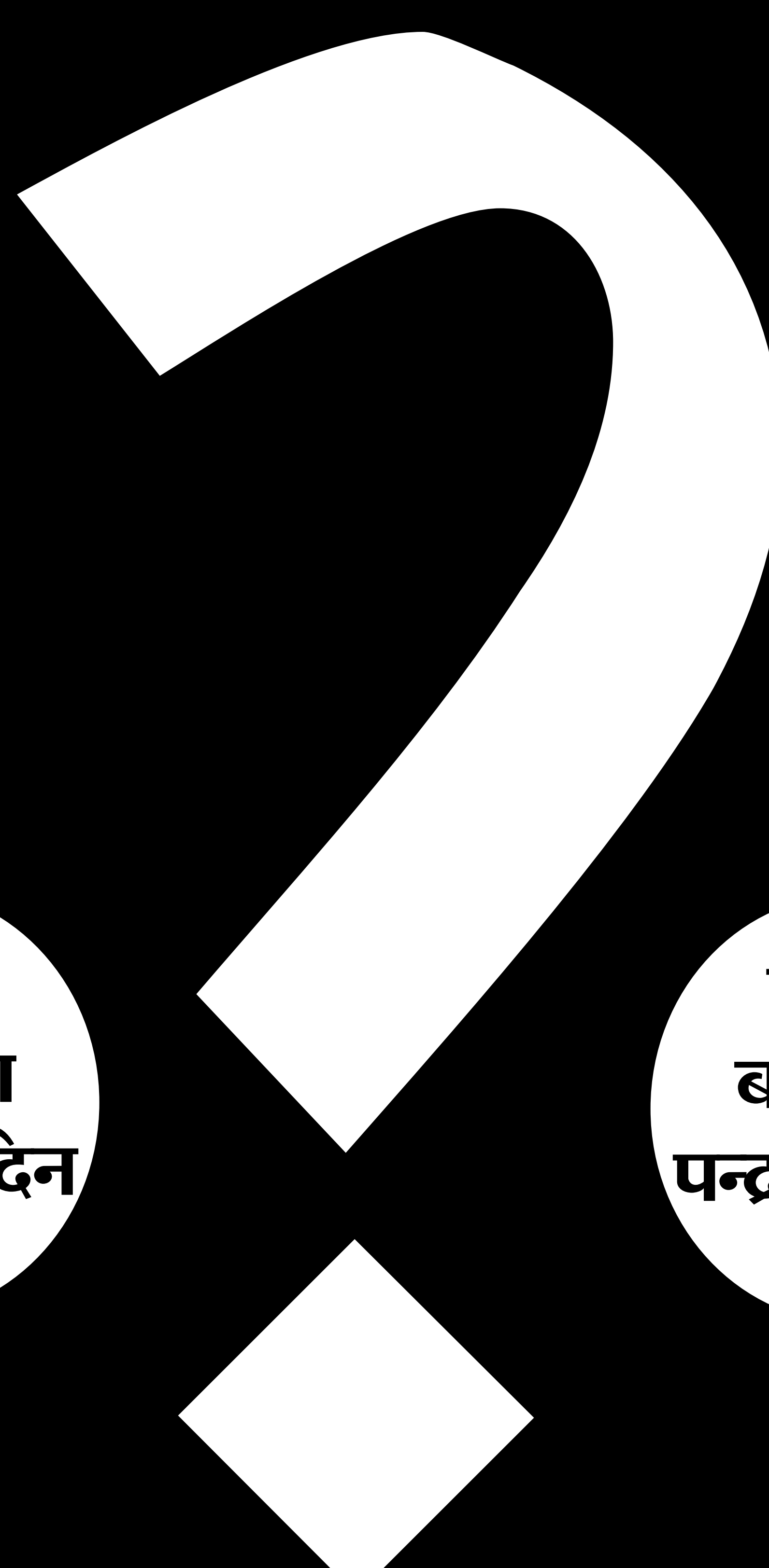

कलम बंद...का पन्द्रहवां दिन

कलम बंद...का पन्द्रहवां दिन

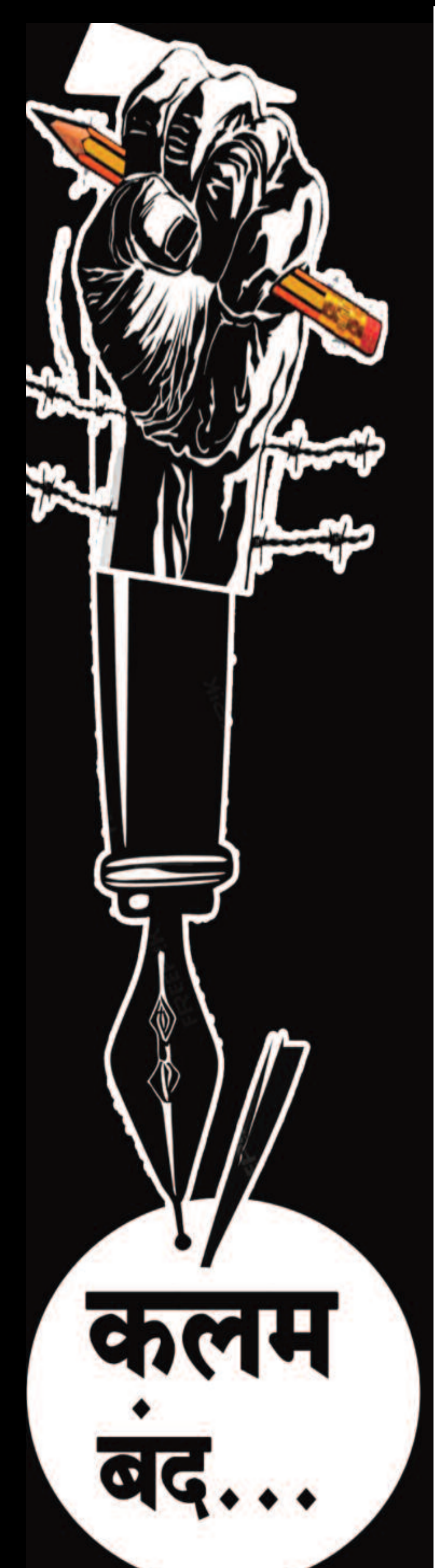

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार ?

- » भ्रष्टाचार की खबरों से दिक्कत...
- » कमी दिखाओ तो दिक्कत...
- » जनता की परेशानियों को दिखाओ तो दिक्कत...

अम्बिकापुर,14 जुलाई 2024(घटती-घटना)। आखिर लोकतंत्र का चौथा स्तंभ करें तो क्या करें ? सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की ओर बढ़ रहे भ्रष्टाचार को उजागर करने पत्रकार दौड़ रहा पर पत्रकार की दौड़ के पीछे निर्वाचित जनप्रतिनिधि उसकी दौड़ की गति को कम करने का प्रयास कर रहे हैं,भ्रष्टाचार बढ़ता रहे पर पत्रकार ना दिखाएं क्या यही चाहता है जनप्रतिनिधि या फिर सरकारी तंत्र।

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

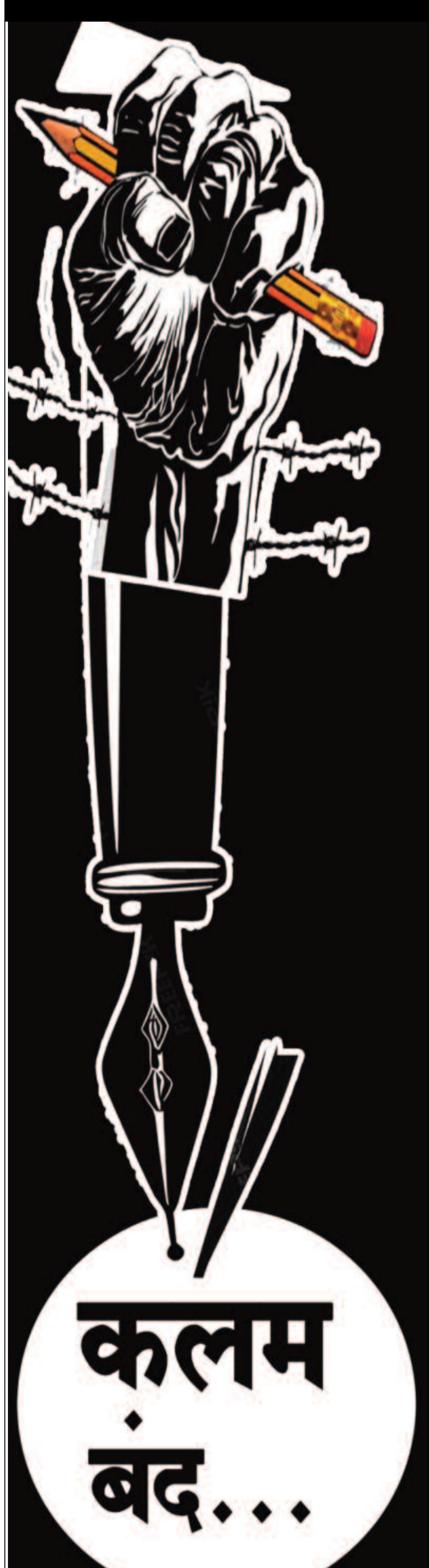

?

कलम बंद...का पन्द्रहवां दिन

कलम बंद...का पन्द्रहवां दिन

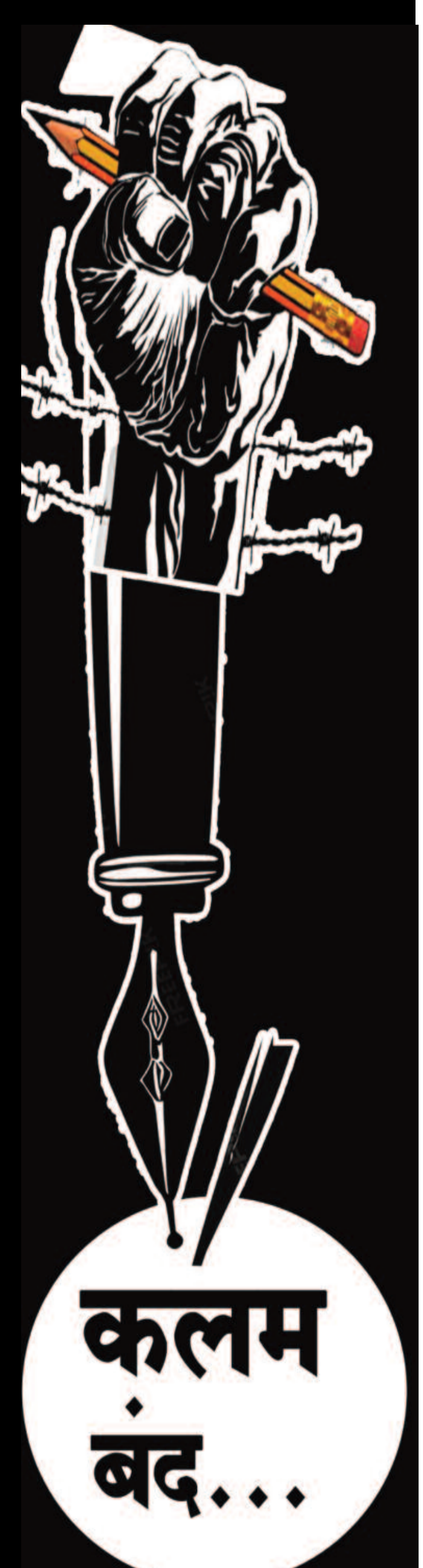

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

संक्षिप्त खेल समाचार

पदक का रंग बदलने को बेताब होंगी लवलीना

नई दिल्ली, 14 जुलाई 2024। भारत के अन्य एथलीटों की तरह ही भारतीय मुक्केबाज भी पेरिस ओलंपिक के लिए पूरी तरह कमर कस चुके हैं। इस बार देश को निकहत जरीन और टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन से पदक लाने की काफी उम्मीदें हैं। भारत की ओर से चार महिला और दो पुरुष मुक्केबाजों से पदक लाने की उम्मीदें हैं, लेकिन इनमे लवलीना और निकहत पर दारोमदार रहेगा।

अब तक सिर्फ तीन भारतीयों ने जीते हैं पदक

मुक्केबाजी ऐसी स्पर्धा है जिसमें पिछले चार ओलंपिक में से तीन में भारत पदक लाने में सफल रहा है। ओलंपिक मुक्केबाजी में पिछले दो पदक देश की बेटियों मैरीकॉम और लवलीना बोरगोहेन ने दिलाए हैं और इस बार लवलीना के साथ निकहत से बड़ी उम्मीदें लगी हैं।

अनिर्बान लाहिड़ी ने स्पेन में 4 शॉट की बढ़त हासिल की

नई दिल्ली, 14 जुलाई 2024। भारतीय गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी एलआईव्ही गाल्फ सीरीज में पहली जीत के करीब पहुंच गए हैं, क्योंकि उन्होंने दूसरे राउंड में 5-अंडर 66 का स्कोर बनाया और एलआईव्ही गोल्फ एंडालुसिया में चार शॉट की बढ़त हासिल की। क्रशर्स टीम में खेलने वाले लाहिड़ी ने दूसरे राउंड के बाद अपनी पहली जीत की

स्थिति में खुद को स्थापित किया, जिसमें उनके अंतिम 13 होल में छह बर्डी और कोई बोगी नहीं थी। 37 वर्षीय लाहिड़ी, जिन्होंने 2-अंडर 69 के साथ शुरुआत की थी, 18 होल शेष रहते 7-अंडर पर हैं। न्यूजीलैंड के डैनी ली 3-अंडर पर उनके सबसे करीबी हैं। लाहिड़ी अपने नौ साल के जीत के सूखे को खत्म करना चाहते हैं।

रेसलिंग में इस बार हिस्सा लेंगे छह भारतीय पहलवान

» इन छह खिलाड़ियों से है पदक जीतने की उम्मीद

पेरिस, 14 जुलाई 2024। 26 जुलाई से पेरिस ओलंपिक 2024 की शुरुआत हो जाएगी जिसको लेकर अब कई देशों के एथलीट्स ने फ्रांस की राजधानी में पहुंचना भी शुरू कर दिया है। भारत की तरफ से भी अब तक का सबसे बड़ा दल ओलंपिक में हिस्सा लेगा, जिसमें कई इवेंट्स के खेलों में पदक जीतने की उम्मीद है। इसी में एक रेसलिंग एक ऐसा इवेंट है जिसमें पिछले कुछ सालों में भारत के पुरुष और महिला रेसलर खिलाड़ियों का बेहतरीन प्रदर्शन देखने को मिला है, ऐसे में इस बार सभी को ओलंपिक में पदक जीतने की भी उम्मीद होगी। पेरिस ओलंपिक 26 जुलाई को जहां ओपनिंग सेरेमनी होगी तो वहीं 24 जुलाई से इवेंट्स की शुरुआत हो जाएगी।

भारत की तरफ से पेरिस ओलंपिक में रेसलिंग के इवेंट में कुल 6 रेसलर हिस्सा ले रहे हैं, जिसमें से 5 महिला जबकि एक पुरुष रेसलर है। महिला रेसलर में बात की जाए तो उसमें अंतिम पंघाल, विनेश फोगाट, रितिका हुडा, अंशू मलिक और निशा दहिया का नाम है। इसमें यदि किसी रेसलर से मेडल जीतने की उम्मीद है तो उसमें विनेश फोगाट का नाम सबसे पहले आता है जो पिछले काफी समय से शानदार फॉर्म में हैं। विनेश ओलंपिक में महिला रेसलिंग के 50 किलोग्राम कैटेगिरी के इवेंट में हिस्सा लेंगी। वहीं पुरुष रेसलर में भारत की तरफ से सिर्फ अमन सेहरावत हिस्सा ले रहे हैं जिनको फ्रीस्टाइल 57 किलोग्राम की कैटेगिरी में जगह मिली है।

रेसलिंग के इवेंट में पेरिस ओलंपिक में हिस्सा लेने भारतीय खिलाड़ी

अंतिम पंघाल - महिला 53 किलोग्राम कैटेगिरी
विनेश फोगाट - महिला 50 किलोग्राम कैटेगिरी
अंशू मलिक - महिला 57 किलोग्राम कैटेगिरी
रितिका हुडा - महिला 76 किलोग्राम कैटेगिरीट
निशा दहिया - महिला 68 किलोग्राम कैटेगिरी
अमन सेहरावत - पुरुष फ्रीस्टाइल, 57 किलोग्राम कैटेगिरी

रिकी पोंटिंग की जगह कौन होगा दिल्ली कैपिटल्स का अगला हेड कोच

» सौरव गांगुली ने बता दिया नाम...

नई दिल्ली, 14 जुलाई 2024। दिल्ली कैपिटल्स ने अपने हेड कोच रिकी पोंटिंग को हटा दिया है। पोंटिंग 2018 से टीम के कोच थे। 2008 से आईपीएल में खेल रही दिल्ली अब तक खिताब नहीं जीत पाई है। रिपोर्ट आ रही थी कि सौरव गांगुली टीम के नए हेड कोच बन सकते हैं। वह अभी डीसी के क्रिकेट निदेशक हैं। अब सौरव गांगुली से इस बारे में सवाल किया गया। उन्होंने पोंटिंग को हटाने की वजह के साथ ही अगले हेड कोच का नाम भी बता दिया।

सौरव गांगुली ने बंगाली अखबार को दिए इंटरव्यू में कहा, मुझे अगले साल के आईपीएल के लिए प्लानिंग करनी है। मैं डीसी को आईपीएल खिताब जिताना चाहता हूं। अगले साल मेगा ऑक्शन है, इसलिए मैं अभी से तैयारी शुरू कर रहा हूं। जेफ्री बॉयकॉट सही थे, पोंटिंग पिछले 7 साल में डीसी को आगे नहीं ले जा पाए। मुझे फ्रेंचाइजी से बात करनी होगी और उन्हें भारतीय कोच पर विचार करने के लिए कहना होगा। जब गांगुली से पूछा गया कि पोंटिंग की जगह कौन ले सकता है, तो उन्होंने कहा, मैं हेड कोच बनूंगा। देखते हैं मैं कैसा प्रदर्शन करता हूं। मुझे कुछ नए खिलाड़ियों को भी शामिल करना होगा।

आईपीएल 2025 से पहले मेगा ऑक्शन

डीसी के सहायक कोच प्रवीण आमरे टीम के साथ बने रहेंगे। डीसी के मालिक इस महीने के अंत या अगले महीने की शुरुआत में बैठक करेंगे। इस बैठक में आगे की रणनीति पर चर्चा होगी। खिलाड़ियों को रिटेन करना भी एक अहम मुद्दा होगा। अगर डीसी केवल चार खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती है, तो उन्हें जेक फ्रेजर-मैकगर्क या ट्रिस्टन स्टब्स में से किसी एक को छोड़ना होगा।

अगर भारतीय खिलाड़ियों की बात करें, तो ऋषभ पंत, अक्षर पटेल और कुलदीप यादव का रिटेन होना तय माना जा रहा है। आईपीएल 2025 से पहले एक मेगा ऑक्शन होना है। ऐसे में हो सकता है कि कुछ स्टार खिलाड़ी ऑक्शन में शामिल होकर अपनी मार्केट वैल्यू बढ़ाना चाहें।

बारबोरा क्रेजिसिकोवा ने जीता विंबडलन ओपन 2024 का खिताब

» फाइनल में धमाकेदार अंदाज में दर्ज की जीत

युगोस्लाविया, 14 जुलाई 2024। विंबलडन ओपन 2024 के महिला सिंगल्स का खिताब चेक गणराज्य की बारबोरा क्रेजिसिकोवा ने जैस्मीन पाओलिनी को हराकर जीत लिया है। उन्होंने अपनी दूसरी ग्रैंडस्लैम ट्रॉफी जीती। फाइनल मैच में उन्होंने दमदार प्रदर्शन किया। दूसरा सेट हारने के बाद भी उन्होंने मैच में जीत हासिल की। तीन साल पहले क्रेजिसिकोवा ने 2021 में फ्रेंच ओपन में पहला ग्रैंडस्लैम खिताब जीता था। तब इस 28 साल की खिलाड़ी को वरीयता नहीं मिली थी।

बारबोरा क्रेजिसिकोवा ने शानदार अंदाज में दर्ज की जीत

इस सीजन बारबोरा क्रेजिसिकोवा पीठ की चोट के कारण आल इंग्लैंड क्लब में भी, वह 32 वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों में 31वें नंबर पर थीं। क्रेजिसिकोवा ने जैस्मीन पाओलिनी पर 6-2, 2-6, 6-4 की जीत से अप्रत्याशित जीत दर्ज की। उन्होंने अपनी मेंटोर (दिवंगत) 1998 विम्बलडन चैम्पियन जाना नोवोत्ना का धन्यवाद किया जिन्होंने उन्हें पेशेवर टेनिस में आने के लिए प्रेरित किया था। क्रेजिसिकोवा ने कहा कि अभी जो हुआ यह अवास्तविक है, निश्चित रूप से मेरे टेनिस करियर का सर्वश्रेष्ठ दिन और मेरी जिंदगी का भी सर्वश्रेष्ठ दिन। अपनी चैंपियन प्लेट पकड़ते हुए क्रेजिसिकोवा ने खुद को भाग्यशाली करार दिया कि वह पिछले महीने फ्रेंच ओपन में उप विजेता रहीं सातवीं वरीयता प्राप्त पाओलिनी को पराजित करने में सफल रहीं।

अमीषा पटेल ने मुझे फिल्म से निकलवा दिया

इमरान हाशमी का चौंकाने वाला खुलासा, बताया फिर क्या किया था...

इमरान हाशमी ने विक्रम भट्ट की फिल्म फुटपाथ से साल 2003 में एक्टिंग डेब्यू किया था। लेकिन वह इससे नहीं, बल्कि महेश भट्ट की फिल्म ये जिंदगी का सफर से डेब्यू करने वाले थे। फिल्म की हीरोइन अमीषा पटेल थीं। लेकिन उन्होंने इमरान हाशमी को फिल्म से निकलवा दिया। यह खुलासा खुद इमरान हाशमी ने किया है और वजह भी बताई है। साथ ही एक्टर ने यह भी बताया कि फिल्म से निकाले जाने के बाद उन्होंने क्या किया था।

इमरान हाशमी इस वक्त अपनी सीरीज शोटाइम को लेकर चर्चा में हैं, जिसके पहले सीजन का दूसरा पार्ट हाल ही ओटीटी पर रिलीज किया गया। इमरान ने द लल्लनटॉप को दिए इंटरव्यू में बताया कि उनकी पहली फिल्म ये जिंदगी का सफर होने वाली थी। पहले इसमें गोविंदा लीड रोल में थे, लेकिन बाद में उन्हें साइन किया गया। पर फिर इमरान को भी इस फिल्म से हटवा दिया गया।

महेश भट्ट ने पूछा तो घबराहट से कांपने लगे थे इमरान, बताया क्या हुआ था

इमरान हाशमी ने कहा, मैं उस समय रोशन तनेजा के साथ एक्टिंग का कोर्स कर रहा था। एक महीने बाद महेश भट्ट ने फोन किया और कहा कि गोविंदा अब फिल्म में नहीं हैं, उनकी डेट्स को लेकर कोई दिक्कत है। उन्होंने रोशन तनेजा से पूछा, क्या मेरा लड़का फिल्म की शूटिंग के लिए तैयार है? और रोशन तनेजा ने कहा, वह तैयार है! मैंने यह सुना, और मैं घबराहट से कांप रहा था क्योंकि मैं तैयार नहीं था। मैं अभी भी मानसिक रूप से खुद को एक और फिल्म के लिए तैयार कर रहा था जो छह महीने बाद फ्लोर पर जा रही थी।

अमीषा को लगा कि मैं कच्चा हूं...

इमरान हाशमी ने आगे बताया, मैंने कहा कि मैं तैयार नहीं हूं, और भट्ट साहब ने कहा- नहीं, तुम कभी तैयार नहीं होंगे। तुम्हें गहरे अंत में कूदना होगा, और यह फिल्म है, जिसमें तुम्हें कूदना होगा। मैं तैयार नहीं था। अमीषा को भी लगा कि मैं बहुत कच्चा हूं।

अमीषा ने भट्ट साहब से बात की और निकलवा दिया...

इमरान ने फिर अमीषा पटेल के बारे में बात की और बताया, अमीषा को लगा कि मैं इसे नहीं कर पाऊंगा। उन्होंने तब एक हिट फिल्म (कहो ना प्यार है) दी थी, इसलिए वह चिंतित थीं। वह चाहती थीं कि हीरो के लिए कास्टिंग सही हो। वह चाहती थीं कि इस रोल के लिए किसी अनुभवी एक्टर को चुना जाए, किसी ऐसे व्यक्ति को नहीं, जो पूरी तरह से अनुभवहीन हो, जिसने केवल एक महीने का एक्टिंग कोर्स किया हो। तो, वह भट्ट साहब के पास गईं और कहा- मुझे नहीं लगता कि इमरान सही फिट हैं। मैं भड़क गया। मुझे उन पर बहुत गुस्सा आ रहा था। अब जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं तो मुझे लगता है कि अमीषा सही थीं।

फिल्म से निकाले जाने के बाद यह करते थे इमरान

इमरान हाशमी ने बताया कि फिल्म से निकाले जाने के बाद वह सेट पर जाते थे, और अमीषा को घूरते थे। वह बोले, मैं फिल्म के सेट पर जाता था और शूटिंग देखता था। मैं उन्हें घूरता भी था। मैंने भट्ट साहब से भी कहा कि मुझे एक मौका दीजिए। ऐसा नहीं था कि मैं वास्तव में एक्टिंग नहीं कर सकता था। वह अमीषा ही थीं, जिन्हें लगा कि मैं एक्टिंग नहीं कर सकता। मैं उस समय खाली था, इसलिए मैं फिल्म के सेट पर जाता था क्योंकि मैं फिल्म प्रोडक्शन के प्रोसेस से जुड़ा रहना चाहता था। मैं रोज सेट पर जाता था। मैं फिल्म में असिस्टेंट नहीं था, बस देखने जाता था। फिर मैंने विशेष फिल्म्स के साथ अपनी पहली फिल्म फुटपाथ साइन की।

किम कार्दशियन-ऐश्वर्या राय की सेल्फी ने मचाया तहलका

बच्चन बहू के आगे फीकी पड़ीं 7 साल छोटी हॉलीवुड ब्यूटी

पॉपुलर अमेरिकन टीवी पर्सनैलिटी किम कार्दशियन बहन के साथ अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी और उनकी शुभ आशीर्वाद सेरिमनी का हिस्सा बनीं। किम कार्दशियन ने देसी कपड़े पहने और लहंगे में अपनी खूबसूरती से चार चांद लगा दिए। हर तरफ किम की चर्चा हो रही है। लेकिन इसी बीच उनकी ऐश्वर्या राय बच्चन के साथ सेल्फी ने इंटरनेट पर आग लगा दी है। ऐश्वर्या और किम कार्दशियन के अब तक कई वीडियो सामने आए हैं, जो सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं। लेकिन अब उनकी सेल्फी ने तहलका मचा दिया है।

किम कार्दशियन अनंत और राधिका की शादी के बाद उनकी शुभ आशीर्वाद सेरिमनी में शामिल हुईं। नथ और टीका पहने किम कार्दशियन लाइट पिंक कलर के लहंगे में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। लेकिन उन्हें मिस वर्ल्ड ऐश्वर्या राय बच्चन ने भी फेल कर दिया। तभी तो किम कार्दशियन उन्हें अब भी क्वीन मानती हैं।

किम कार्दशियन ने ऐश्वर्या को कहा क्वीन

किम कार्दशियन जब अनंत और राधिका के फंक्शन में ऐश्वर्या से मिलीं, तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। वह

ऐश्वर्या की खूबसूरती पर मर-मिटीं। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर ऐश्वर्या के साथ सेल्फी शेयर की और लिखा- क्वीन। आपको जानकर हैरानी होगी कि किम कार्दशियन उम्र में ऐश्वर्या राय से 7 साल छोटी हैं। जहां किम कार्दशियन 43 साल की हैं, वहीं ऐश्वर्या की उम्र अभी 50 साल है।

भारतीय कपड़ों में अटेंड की शादी और बाकी फंक्शन

ऐश्वर्या और किम कार्दशियन की इस तस्वीर पर फैंस खूब प्यार बरसा रहे हैं और क्रेजी हुए जा रहे हैं। मालूम हो कि किम कार्दशियन 12 जुलाई को ही इंडिया आई थीं और फिलहाल यहीं हैं। दोनों बहनों ने अनंत और राधिका की शादी और बाकी फंक्शन भारतीय परिधानों में अटेंड किए।

ऐश्वर्या बेटी के साथ हुईं शामिल, बच्चन परिवार संग नहीं दिखीं

वहीं, ऐश्वर्या राय बेटी आराध्या के साथ अनंत और राधिका की शादी व शुभ आशीर्वाद सेरिमनी में शामिल हुई थीं। वह न तो बच्चन परिवार के साथ दिखी थीं और ना ही उनके साथ एंट्री की थी। शुभ आशीर्वाद सेरिमनी में भी अमिताभ बच्चन नातिन और दामाद के साथ पहुंचे थे। जबकि ऐश्वर्या फिर से आराध्या के साथ थीं। इससे ऐश्वर्या और अभिषेक की तलाक की खबरें आने लगी थीं और फैंस एक्ट्रेस के अकेले शामिल होने पर सवाल उठा रहे थे। हालांकि, बाद में कुछ वीडियो सामने आए, जिनमें ऐश्वर्या और आराध्या दोनों अभिषेक के साथ बैठी नजर आईं।

विशाल के मम्मी-पापा को देख अरमान मलिक की सिट्टी-पिट्टी गुम

रवि किशन ने उतारा शिवानी का नकाब

रिएलिटी शो बिग बॉस ओटीटी सीजन 3 में वीकेंड का वार धमाकेदार होने वाला है, क्योंकि रविवार को शो में कुछ ऐसे मेहमान आने वाले हैं, जो घरवालों से सीधे-सीधे सवाल करेंगे। यूट्यूबर विशाल पांडे के मां और पिता भी आएंगे, जिन्हें देखकर विशाल फूट-फूटकर रो पड़ेंगे। अरमान मलिक के चेहरे पर 12 बजते दिखाई देंगे और वो अपनी करतूतों का ठीकरा लव कटारिया के सिर पर फोड़ते नजर आएंगे। इसके अलावा भोजपुरी स्टार रवि किशन भी शिवानी कुमारी के चेहरे से नकाब उतारेंगे। बिग बॉस ओटीटी 3 के प्रोमो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। एक में विशाल पांडे के पिता ने कहा, आज तक हमने हमारे बच्चे को कभी छुआ तक नहीं है और ये हक हमने किसी को नहीं दिया है कि कोई और आकर हमारे बेटे को थप्पड़ मारे। अगर उसका कैरेक्टर देखना है तो उसकी फैमिली, उसके फ्रेंड्स से पूछिए बाहर आकर।

इसी बीच अरमान मलिक सफाई देने लगते हैं कि लव कटारिया ने कंफर्म किया, इसके बाद ही ये सारी चीज हुई...। इससे पहले कि अरमान अपनी बात पूरी कर पाते, विशाल के पिता ने उन्हें बीच में ही रोक दिया और कहा, मुझे तो आपसे कुछ बात नहीं करनी है।

भोजपुरी स्टार रवि किशन स्टेज पर आए और शिवानी कुमारी से सीधे कहा, तुम छेड़ती हो। ये गलत बात है। इसके बाद शिवानी रो पड़ीं और अपनी मम्मी की कसम खाकर कहने लगीं कि वो ऐसे ही बात करती हैं। इस पर रवि किशन ने आगे कहा कि कोई भी भाषा कोई भी संस्कृति ये नहीं सिखाती है कि किसी को अपमानित करके आगे बढ़ो।

वीकेंड का वार में होगा एलिमिनेशन

इस वीकेंड का वार में एलिमिनेशन होगा। बताया जा रहा है कि वड़ा पाव गर्ल चंद्रिका दीक्षित बेघर हो सकती हैं। ये भी कहा जा रहा है कि इस हफ्ते डबल एविक्शन भी हो सकता है। आप इस शो को जियो सिनेमा एप पर हर रात 9 बजे देख सकते हैं।

कैसे राजीव भाटिया से बने अक्षय कुमार

अभिनेता अक्षय कुमार इन दिनों अपनी फिल्म सरफिरा को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। उनकी यह मूवी 12 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है। फिल्म में उनके साथ राधिका मदान भी लीड रोल में हैं। सुधा कोंगरा के निर्देशन में बनी इस मूवी को क्रिटिक्स से अच्छा रिस्पॉन्स मिला। वहीं, ऑडियंस से भी मूवी को मिला-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है।

फिल्म की रिलीज से पहले एक्टर अक्षय कुमार ने अपनी मूवी का जमकर प्रमोशन किया। इस दौरान उन्होंने अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ से जुड़ी कई बातें भी शेयर की। खिलाड़ी कुमार के बहुत से फैंस इस बात से वाकिफ होंगे कि उनका रियल नेम अक्षय नहीं, बल्कि राजीव था। ऐसे में उन्होंने अपना नाम क्यों बदला अब एक्टर ने इसका खुलासा कर दिया है।अक्षय ने हाल ही में गलाटा प्लस के साथ काफी सारी बातें शेयर कीं। इस दौरान उन्होंने नाम बदलने के बारे में भी बताया। उनका राजीव भाटिया से अक्षय कुमार बनने का सफर एक्टर की पहली फिल्म में एक दिलचस्प मोड़ के साथ शुरू हुआ। दरअसल, अभिनेता ने सबसे पहले महेश भट्ट के निर्देशन में बनी फिल्म आज में एक छोटा सा किरदार निभाया था। सरफिरा एक्टर ने बताया कि क्या आप जानते हैं कि फिल्म में कुमार गौरव का नाम क्या था, अक्षय। इसी तरह मेरा नाम पड़ा। बहुत से लोग यह नहीं जानते कि मेरा असली नाम राजीव है और शूटिंग के दौरान मैंने यूं ही पूछा कि फिल्म में हीरो का नाम क्या है, उन्होंने कहा अक्षय। ऐसे में मैंने उनसे कहा कि मैं अपना नाम अक्षय ही रखना चाहता हूं ।

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर
जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

क्र.300 दिनांक-27/06/2024
रा.प्र. क्र....ब-121/2024

ईश्तहार

आवेदक/आवेदिका का नाम हेमन्त राजवाड़े आ0नरेश जाति-रजवार, निवासी ग्राम पर्री प0ह0न0 तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर छ0ग0 ने अपने पिता नरेश मृत्यु दिनांक 24/03/2024 का मृत्यु/जन्म प्रमाण पत्र बनाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 15/07/2024 को समय 11.00 बजे इस न्यायालय में अपना स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति दावा प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। तद्नुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 27/06/2024 को जारी किया जाता है।

सील
तहसीलदार
सूरजपुर

खुला पत्र

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग के संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...के पन्द्रहवें दिन भी केंद्र सरकार से अनुमोदित विज्ञापन नियमावली के आदेश को ठेंगा दिखाने वाले जनसंपर्क विभाग के द्वारा कोई प्रतिक्रिया नहीं देने के पीछे किसका हाथ...

क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री जी ?

क्यां छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?

छत्तीसगढ़ सरकार घर तोड़िए या कार्यालय तोड़िए...इंकलाब होता रहेगा इंसाफ तक...

अब तो बताईए मुख्यमंत्री जी...क्या छापें ?

क्यूं न लिखें सच ?

माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी 25 जून को संविधान हत्या दिवस छत्तीसगढ़ में नहीं मनाया जायेगा क्या? इमरजेंसी पर बात...हर बात पर आरोप...तो छत्तीसगढ़ में एक आईपीएस के तुगलकी फरमान पर आदिवासी अंचल से विगत 20 वर्षों से प्रकाशित अखबार पर क्यों किया जा रहा है जुर्म...? क्यों कलमबंद आंदोलन के लिए विवश होना पड़ा एक दैनिक अखबार को...?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)